Exam. Code: 0010
Sub. Code: 0755

2071
B.A./B.Sc.(Hons.)-6th Semester
Hindi
Paper-IV (B)

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। विकल्प प्रश्नों के भीतर ही हैं।

-*-*-*-

प्रश्न–1: (क) निम्नलिखित अवतरणों में से **किसी एक** की ससंदर्भ व्याख्या करें।

विधाता के नियमों की विडम्बना है।
चाहे न चाहे
किंतु
शासक की भूलों का उत्तरदायित्व
प्रजा को वहन करना पड़ता है,
उसे गलित मूल्यों का दंड भरना पड़ता है।
और मैं मनुष्य ही नहीं हूँ
मैं प्रजा भी हूँ।

अथवा

यों भूखा होना
कोई बुरी बात नहीं है,
दुनिया में सब भूले होते हैं
सब भूले .....
..... कोई अधिकार और लिप्सा का
..... कोई प्रतिष्ठा का
..... कोई आदर्शों का
और कोई धन का भूखा होता है.....
ऐसे लोग अहिंसक कहलाते हैं
मांस नहीं खाते
मुद्रा खाते हैं.....। (10)

(ख) 'एक कंठ विषपायी' के आधार पर सर्वहत का चरित्र–चित्रण करें।

अथवा

'एक कंठ विषपायी' में उठाई गई विविध समस्याओं का विश्लेषण करें। (16)

प्रश्न–2: किन्हीं **चार** छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण दें:–

भुजंग प्रियात, मालिनीं, मंदाक्रान्ता, शिखरिणी, अहीर मनव, बरवै। (4×5)

P.T.O.

प्रश्न–3: किन्हीं चार अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण दें:–

अन्योक्ति, तुल्ययोगिता, उल्लेख, व्याज स्तुति, अनन्वय, विभावना। (4×5)

प्रश्न–4: किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें:–

(क) ब्रजभाषा के क्षेत्र एवं विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन करें।

(ख) मानक हिन्दी की वाक्य संरचना पर प्रकाश डालें।

(ग) राजभाषा हिन्दी का परिचय देते हुए इसकी वर्तमान स्थिति का आंकलन करें।

(घ) देवनागरी लिपि के अनुमोदित मानक रूप का परिचय प्रदान करें। (2×12)

-*-*-*-